इन्दौर क्लाथ मार्केट को. आपरेटिव्ह बैंक लि., इन्दौर की प्रगति, वर्तमान चुनौतियां व समाधान

विकास कुमार दम्माणी[1], डॉ. संगीता जौहरी[2], डॉ. दीप्ती माहेश्वरी[3]
[1]शोधार्थी, आईसेक्ट विश्वाविद्यालय, भोपाल (म.प्र.) भारत
[2]विभागाध्यक्ष, प्रबंधन, आईसेक्ट विश्वाविद्यालय, भोपाल (म.प्र.) भारत
[3]विभागाध्यक्ष, वाणिज्य, आईसेक्ट विश्वाविद्यालय, भोपाल (म.प्र.) भारत

सारांश

प्रस्तुत शोधपत्र म.प्र. के प्रमुख सहकारी बैंकों में से एक इन्दौर क्लाथ मार्केट को. आपरेटिव्ह बैंक लि. इन्दौर की प्रगति, चुनौतियों के साथ सहकारी बैंकों के भविष्य हेतु सुझाव भी प्रस्तुत करता है।

I प्रस्तावना

सन् 1991 के पश्चात देश के आर्थिक परिदृश्य में अनेक परिवर्तन हुए हैं बैंके अर्थव्यवस्था से गहरे से जुड़ी रहती है इस कारण आर्थिक क्षेत्र के परिवर्तनों का प्रभाव सरकारी व सहकारी क्षेत्रों की बैंकों पर गहरे से पड़ा है। देश के अनेक सहकारी बैंक या तो बंद हो गये या बंद होने की कगार पर पहुंच गये इन सब विपरीत परिस्थितियों के बाद भी इन्दौर क्लाथ मार्केट को. आपरेटिव्ह बैंक लिमिटेड, इन्दौर प्रगति के पथ पर अग्रसर होता गया।

जमाधन राशि में वृद्धि, ऋण वितरण राशि में वृद्धि अनेक ग्राहकोपयोगी सुविधाएं प्रदान करना व आधुनिक बैकिंग उपलब्ध करवाने हेतु प्रयत्नशील रहने का अध्ययन है।

इन्दौर सदैव से ही कपड़े व्यापारी हेतु प्रसिद्ध रहा है महाराजा तुकोजीराव क्लाथ मार्केट का नाम पूरे भारत में कपड़े व्यापार हेतु जाना जाता है, इस बाजार के कुछ प्रमुख व्यापारियों के मस्तिष्क में 1971 में बैंकों के राष्ट्रीकरण के पश्चात हुए परिवर्तनों के कारण बैंकों से होने वाले लाभ की और गया उन्होने मिलकर सहकारी क्षेत्र को मिल रहे प्रोत्साहन व सुविधाओं को ध्यान रखकर 1972–73 में एक सहकारी बैंक की स्थापना के प्रयत्न आरम्भ किये। इन प्रयत्नों के फलस्वरूप 28 जनवरी 1974 को इन्दौर क्लाथ मार्केट को. आप. बैंक लि. इन्दौर ने अपना कार्य आरम्भ किया स्थापना के समय वर्ष 1974–1975 में 4878 सदस्य थी अंश पूंजी 10.00 लाख जमाधन राशि 24.24 लाख जमाधन का विनियोजन 21.30 लाख था। ऋण का वितरण 8.45 लाख रूपये था। कुल आय 3.50 लाख रूपये होकर शुद्ध लाभ 1.21 लाख रूपये था कार्यशील पूंजी के रूप में 36.75 रूपये का धन था। कुल लेनदेन या टर्न ओव्हर 28.11 करोड़ का हुआ था जो कि किसी सहकारी बैंक के प्रथम वर्ष में होना अत्यंत आसाजनक था। प्रथम वर्ष में सदस्यों को 5: लाभांश वितरण किया गया था।

इस प्रकार बैंक उत्तरोत्तर प्रगति करता गया सदस्य संख्या, जमाधन ऋण वितरण राशि बढती गई है व लाभ दर भी धीरे–धीरे बढने लगी।

स्व. श्री बाबुलालजी पाटोदी , स्व. श्री हरिकिशन जी मुच्छाल, स्व. श्री बाबुलालजी बोहती के अध्यक्षीय कार्यकाल में बैंक की प्रगति होती गई अनेक ऐसे निर्णय किये गये जो कि सदस्यों हेतु सुविधाजनक व लाभकारी था। स्व. श्री तेजसिंहजी सुराणा का भी अध्यक्षीय कार्यकाल उल्लेखनीय प्रगति वाला रहा।

सन् 1911 के पश्चात् देश के आर्थिक नियमों में मूलभूत परिवर्तन किये गये बैंकिंग क्षेत्र भी इससे अछूता नहीं रहा सहकारी क्षेत्र को प्राप्त अनेक संरक्षण व सुविधाएं धीरे–धीरे कम होने लगे। कम्प्युटरीकरण में वृद्धि होने लगी समय के अनुसार कदमताल ना करने के कारण देश के अनेक सहकारी बैंकों की आर्थिक स्थिति जर्जर होने लगी। सहकारी क्षेत्र से लोगों की रूचि कम होने लगी। सम्पूर्ण बैंकिंग व्यवस्था बदलने लगी इन विपरीत परिस्थितियों में भी इन्दौर क्लाथ मार्केट को. आप. बैंक लि. इन्दौर प्रगति करता रहा।

बैंक ने परिस्थितियों के अनुसार स्वयं को ढाल लिया और आधुनिक बैंकिंग के अनुसार कार्य करने लगा। बैंक स्थापना से ही निष्पक्ष, नियमानुसार उत्कृष्ट कार्यक्षमता से कार्य करता रहा है, जो कि इस दौर में भी जारी रहे।

महाराष्ट्र ब्राह्मण सहकारी बैंक, सिटीजन अरबन को. आप. बैंक , मित्रमंडल को. आप. बैंक जैसे इन्दौर व म. प्र. के कई बैंक बंद हो गये व कई अन्य की आर्थिक स्थिति जर्जर होकर बंद होने के कगार पर आ गये, किन्तु इन्दौर क्लाथ मार्केट को. आप. बैंक प्रगति करता रहा। बैंक की प्रगति निम्नलिखित परिणामों से आसानी से जानी जा सकती है।

टेबल–1
इन्दौर क्लाथ मार्केट को. आप. बैंक लिमिटेड
आर्थिक स्थिति का तुलनात्मक प्रगति पत्रक

	1974-75	2003-04	2004-05	2005-06	2006-07	2007-08	2008-09	2009-10	2010-11	2011-12	2012-13	2013-14
सदस्य सख्या	4878	15700	15100	15540	15383	15350	15317	15302	15260	15246	15187	15077
अंश पूंजी	10.00	194.15	188.63	188.57	193.55	206.49	242.75	260.54	276.92	297.85	320.14	328.26
निधियां	&	608.65	544.40	555.86	545.53	561.67	586.86	630.75	638.27	659.26	680.25	749.61
	&	144.50	141.30	124.21	104.12	94.17	91.81	77.04	80.08	83.79	75.55	70.83
अमानत	24.24	7040.28	5201.94	5275.91	5907.48	6896.15	1896.76	8819.81	9418.40	10439.25	11122.44	11877.29
विनियोजन	21.30	5359.85	3626.97	3728.96	4290.96	4391.87	5068.33	5930.28	6913.04	7019.72	6198.80	6949.68
अग्रिम एवं ऋण	8.45	2695.08	2882.97	2504.53	2700.23	3636.06	4035.62	4317.45	4343.82	5002.53	5800.40	5617.05
आय	3.50	852.10	699.48	584.29	652.70	712.11	881.25	988.56	978.21	1191.58	1345.12	1373.23
शुद्ध लाभ	1.21	28.14	12.65	4.34	27.68	23.88	25.26	29.71	35.92	41.29	90.49	79.91
कार्यशील पूंजी	36.75	8697.61	7278.51	6667.66	7433.79	8462.77	9618.33	10807.62	11890.93	13017.50	13094.67	13920.40
	28.11	1693.94	2006.38	1889.24	2110.40	2773.81	3073.71	3692.22	4294.05	4448.68	4394.25	4297.70
लाभांश	5%	&	8%	8%	8%	&	8%	9%	9%	8%	10%	10%

II विषय पर पूर्व प्रकाशित शोध

इन्दौर क्लाथ मार्केट को. आप. बैंक लिमिटेड इन्दौर पर पूर्व में शोध ना के बराबर है, शोधार्थी ने, जो बैंक से किसी भी प्रकार से नहीं जुड़े हैं, के द्वारा बैंक की प्रगति का निष्पक्ष अध्ययन किया है, और चुनौतियां व सुझाव गहन अध्ययन के उपरांत प्रस्तुत किये गए हैं।

III उद्देश्य

(क) जनसामान्य को बैंक की जानकारी देना।

(ख) बैंक के सदस्यों को बैंक की उन्नति की सारगर्भित जानकारी देना।

(ग) बैंक के समक्ष चुनौतियां का ज्ञान कराना।

(घ) बैंक को चुनोतियां का सामना करने हेतु सुझाव देना ही इस शोध–पत्र के उद्देश्य है।

IV शोध अध्ययन की विधि

प्रस्तुत अध्ययन मुख्य रूप से द्वितीयक संमको का उपयोग हुआ है। बैंक की कार्यप्रणाली के अध्ययन हेतु अवलोकन प्रणाली की सहायता ली गई है। बैंक के सभी वर्गों के सदस्यों से साक्षात्कार प्रणाली के माध्यम से समस्याएं जानी गयी।

V बैंक की प्रगति की संक्षेप विवेचना

सदस्यता एवं अंशपूँजी

बैंक की स्थापना के समय सदस्य संख्या 4878 थी, जो मार्च 2014 में 15077 हो गई है। मार्च 2013 को अंशपूँजी रूपये 320.14 लाख थी जो बढ़कर 31 मार्च 2014 को 328.26 लाख हो गई है।

(क) **वित्तीय स्थिति–** बैंक की वित्तीय स्थिति पूर्णतः सुदृढ़ है। वर्ष 2013–14 में निधियाँ रू. 749.61 लाख है। प्रदत्त अंशपूँजी 328.26 लाख है एवं नेटवर्क रूपये 816.64 लाख है, जो आर्थिक सुदृढ़ता की निशानी है।

(ख) **अमानतेः (जमा धन)–** बैंक की अमानतों में लगातार उल्लेखनीय वृद्धि हो रही है। गत वर्ष अमानते रू. 11122.44 लाख थी वह 31 मार्च 2014 को बढ़कर 11877.29 लाख हो गई है। आलोच्य वर्ष में बैंक में रूपये 754.85 लाख की वृद्धि हुई है।

(ग) **विनियोजनः (जमा धन का निवेश)** – बैंक द्वारा 2013–14 में विनियोजन रू. 6949.68 लाख था।

(घ) **ऋण एवं अग्रिम–** बैंक द्वारा वितरित ऋण व अग्रिम रूपये 5617.05 लाख हो गये हैं। सदस्यों को उनकी आवश्यकताओं को दृष्टिगत रखते हुए उचित ब्याज दर पर ऋण उपलब्ध कराने का प्रयास किया गया है। इसके कारण बैंक के सभी वर्गों के सदस्य लाभान्वित हुए है।

(च) **वसूली–** बैंक द्वारा सदस्यों को जिस प्रकार आसान शर्तों पर शीघ्रता से ऋण दिया जा रहा है, वहीं वसूली के लिये भी पूर्ण सजग है। वसूली अभियान के अंतर्गत अनियमित रूप से या ऋण राशि नहीं चुकाने वाले सदस्यों को नोटिस, दावा (कोर्ट केस) , कुर्की कार्यवाही

के साथ ही व्यक्तिगत सम्पर्क कर संचालक मंडल के सदस्यों एवं बैंक कर्मचारियों द्वारा व्यक्तिगत प्रभाव से वसूली की जा रही है। वर्ष 2013–14 का ओव्हर ड्यु का प्रतिशत कुल ऋण से 2.33: था। गत वर्ष का नेट एन.पी.ए. शून्य था जो इस वर्ष भी शून्य ही है सकल एन.पी.ए. इस वर्ष 1.49: रहा है।

(छ) **कार्यशील पूँजी**– बैंक की 2013–14 की कार्यशैली पूँजी रू. 13094.67 लाख थी जो इस वर्ष बढ़कर रूपये 139.20 लाख हो गई है।

(ज) **शुद्ध लाभ**– बैंक का 2013–14 का लाभ 79.91 लाख रहा है।

(झ) **लाभांश**– बैंक द्वारा वर्ष 2013–14 का लाभांश 10: दर से सदस्यों के अनिवार्य संचय खाते में जमा कर दिया गया है।

(ट) **अंकेक्षण**– बैंक को वर्ष 2013–14 व 2014–15 में अंकेक्षण में "अ" वर्ग प्रदान किया गया है। इस प्रकार प्रगति के आधार पथ पर अग्रसर है। इसके अतिरिक्त बैंक ने अन्य कई सुविधाएं भी सदस्यों को दी है जो इस प्रकार है:–

(ठ) **ड्राफ्ट सुविधा**– बैंक, व्यापारियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए देश के अनेक शहरों पर नाममात्र के शुल्क पर बैंक ड्राफ्ट विभिन्न बैंकों के सहयोग से सुविधा उपलब्ध करा रही है। बैंक की सभी शाखाओं में त्ळैए दक छम्थ्ज् की सुविधा चालू है।

(ड) **लॉकर सुविधा**– बैंक की 4 शाखाएँ कार्यरत हैं, जिसमें बैंक की तीन शाखाओं में लॉकर सुविधा न्यूनतम किराये पर उपलब्ध है।

(ढ़) **बैंक कर्मचारियों को सुविधा**– बैंक कर्मचारियों को कर्मचारी मकान ऋण के अलावा तथा यदि कोई कर्मचारी बैंक का सदस्य है, तो उसे अतिरिक्त मकान ऋण सुविधा भी प्रदान की जा रही है तथा कम ब्याज दर पर वाहन ऋण सुविधा भी प्रदान की जा रही है।

(त) **IFSC कोड प्राप्त करना**– बैंक की सभी शाखाओं को **IFSC** कोड यस बैंक के माध्यम से प्राप्त किये गये हैं जो निम्नानुसार हैं:–

(i) प्रधान कार्यालय – YES BOICMB01
(ii) सर हुकुमचंद मार्ग शाखा– YES BOICMB02
(iii) गुमाश्ता नगर शाखा & YES BOICMB03
(iv) एरोड्रम रोड शाखा – YES BOICMB04
(v) सियागंज शाखा & YES BOICMB05

(थ) **शिकायत पुस्तिका**– बैंक की सभी शाखाओं में खातेदारों एवं सदस्यों के लिये शिकायत पुस्तिका रखी गई है। शिकायत पुस्तिका में शिकायत या सुझाव दर्ज किये जा सकते हैं।

(द) **क्रेडिट गारंटी कॉर्पोरेशन**– बैंक के जमा अमानतदारों के रूपये 1.00 लाख तक की अमानतों की सुरक्षा हेतु भारतीय रिजर्व बैंक के निर्देशानुसार निक्षेप बीमा एवं क्रेडिट ग्यारंटी कॉर्पोरेशन की प्रीमियम नियमानुसार जमा है।

(ध) **चिकित्सा सहायता कोष**– चिकित्सा सहायता कोष के अंतर्गत वर्ष में सभी पात्र सदस्यों को आर्थिक सहायता प्रदान की गई है।

(न) बैंक के सम्पूर्ण अध्ययन के पश्चात् यह निष्कर्ष निकलता है कि उन्नति शानदार है, बैंक का भविष्य उज्ज्वल है किन्तु समक्ष कुछ चुनौतियां भी हैं जो निम्न हैं–

VI वर्तमान चुनौतियां

(क) बैंक में कोर बैंकिंग नहीं है।

(ख) लेनदेन हेतु बैंक शाखाओं में ही जाना पड़ता है, जो निश्चित समय के अनुसार बंद व शुरू होती है। आकस्मिक परिस्थिति में धन निकासी, जमा की व्यवस्था नहीं है। ए.टी.एम. सुविधा उपलब्ध है।

(ग) डेबिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड बैंक जो द्वारा जारी नहीं किये जाते हैं।

(घ) कोर बैंकिंग ना होने से समाशोधन गृह में बैंक के धनादेशों (चैक) का लेनदेन देरी से होता है।

(च) बैंक कर्मचारियों में राष्ट्रीयकृत बैंकों व प्रमुख निजी क्षेत्र के प्रमुख बैंकों के कर्मचारियों के समान कार्यदक्षता नहीं है।

(छ) बैंक की शाखाएं मुख्यतः औद्योगिक व्यापारिक क्षेत्र में है, साधारण रहवासी क्षेत्रों में नहीं है। इन्दौर शहर के सभी क्षेत्र व वर्गो तक बैंक की पहुँच नहीं है।

(ज) नवीन सदस्यता लगभग बंद के समान ही है।
उपरोक्त बैंक के समक्ष चुनौतियां बनके खड़े हैं।

VII समाधान के लिये सुझाव

यदि बैंक निम्न सुझावों पर अमल करे तो, बैंक की प्रगति दर में वृद्धि के साथ सदस्यों की आकांक्षाओं वह और अधिक खरा उतर सकता है।

(क) बैंक को कोर बैंकिंग की सुविधा उपलब्ध करवाने के विषय में चिन्तन व कार्य करना अति आवश्यक है।

(ख) बैंक को मोबाइल बैंकिंग की सुविधा प्रदान करना चाहिए।

(ग) सदस्यों व खातेदारों की सुविधा हेतु ।ण्ज्ण्डण् स्थापित करना चाहिये।

(घ) बैंक कर्मचारियों को अधिक दक्ष बनाने हेतु आधुनिकतम बैंकिंग प्रणाली का प्रशिक्षण देना चाहिए।

(च) शासकीय योजनाओं का संचालन बैंक में आरम्भ करना चाहिए, ताकि बैंक की पहुँच विस्तृत हो सके।

(छ) बैंक को ऋण प्रदान प्रक्रिया का और अधिक सरलीकरण करना चाहिए।

(ज) ऋण प्रदान राशि, जो कई कार्यों हेतु निर्धारित है उसमें वृद्धि करना चाहिए।

(झ) सदस्यों की संख्यां में वृद्धि की जानी चाहिए, इससे बैंक के कारोबार में वृद्धि होगी।

(ट) रिजर्व बैंक के नियमों का पालन करते हुए, इन्दौर शहर, इन्दौर जिले व आसपास के जिलों में भी अपनी शाखाएं खोलना चाहिए।

(ठ) सदस्यों हेतु जमा व ऋण की अनेक आकर्षक योजनाएं प्रस्तुत करनी चाहिए।

VIII उपसंहार

शोध से एक और बैंक की प्रगति का ज्ञान होता है, दूसरी ओर वर्तमान भविष्य की चुनौतियों का आभास होता है। सभी संबंधित वर्गों के सदस्यों की अपेक्षाओं के विषय में भी ज्ञान होता है साथ ही प्राप्त सुझाव से , सलाह से भविष्य की योजना निर्माण में सहायता प्राप्त होगी शोधपत्र सभी सहकारी बैंकों को दिशा संकेत के समान है सरकारी निजी क्षेत्रों के बैंकों की प्रतिस्पर्धा का सामना करने में सहायता प्रदान करने वाला है।

संदर्भ

{1} **पुस्तक रिसर्च मेथोडोलाजी– डॉ. वंदना वोहरा**

{2} इन्दौर क्लाथ मार्केट को. आप. बैंक लि. इन्दौर की वार्षिक रिपोर्टस

{3} बैंक का सम्मानीय संचालक मंडल

{4} बैंक के सम्मानीय अधिकारीगण

{5} बैंक के सम्मानीय कर्मचारीगण

{6} बैंक के पुराने खातेदार

{7} बैंक के नवीन, युवा खातेदार

{8} बैंक के ऋणी

{9} समाचार पत्र, पत्रिकाएं